

The Queen is a Dowager...

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Darjeeling was once the Queen of the Hill Stations, and has today become a dowager queen. But it remains the queen all the same.

Gandhi, Truth and Ahimsa

"My religion is based on Truth and Non-Violence. Truth is my God. Non-Violence is the means of realising him."
- Mahatma Gandhi

मुख्यमंत्री ने कॉन्कलेव को राज्य के व्यापार-अनुकूल बदलावों की जानकारी दी

राइजिंग राजस्थान समिट के तहत आयोजित इस कॉन्कलेव में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान प्लॉबल इन्स्ट्रूमेंट समिट 2024 के तहत नई दिल्ली में आयोजित कॉन्कलेव में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को संवादित किया।

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। नई दिल्ली में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में विवेक नायर के बाद राजस्थान सरकार ने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बारे में संवेदन जारी करते हुए उन्हें राज्य में मौजूद व्यवसाय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के संबंध में एक अधिकारी ने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को जारी करते हुए उन्हें राज्य में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के बारे में विवेक नायर और उन्हें प्रदेश में कारोबार बढ़ाने और नए विवेदन करने का न्यूत दिया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले विवेक अधिकारियों को संबोधित किया। राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने करते हुए उन्हें राज्य में मौजूद व्यवसाय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारियों को जारी करते हुए उन्हें राज्य के व्यापारिक परिदृश्य, विवेदन के नए अवसरों और विवेदन करने का न्यूत दिया।

कॉन्कलेव में भाग लेने वालों में प्रमुख थे, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत इलैक्ट्रॉनिक्स, कॉन्कलेव, एन.टी.पी.सी., स्टील अथॉरिटी ऑफ हिंदूया, हिंदूयन ऑप्यूल, सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन, आई.टी.डी.सी., फर्टीलाइजर कॉर्पोरेशन, न्यूविलयर पावर कॉर्पोरेशन, डी.आर.डी.ओ. आदि।

राज्य सरकार द्वारा कियान्वित किए जाए रहे प्रमुख व्यापार-अनुकूल व्यवसाय की जानकारी दी। इस सेंट्रल पब्लिक सेकेन्डरी प्रैटरियल (सी.पी.एस.इ.) कॉन्कलेव में भाग लेने वाले सार्वजनिक कॉन्कलेव में प्रमुख व्यापारियों को जारी करते हुए उन्हें राज्य के व्यापारिक परिदृश्य, विवेदन के विवेदन के बारे में एक अंतिम पृष्ठ पर।

'दूसरे राज्यों से तुलना अपनी कमी छुपाने का प्रयास'

जयपुर, 1 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने विधि विज्ञान प्रयोगशाला में बढ़ते लंबित जाँच रिपोर्ट में दूसरे राज्यों का बदलाव देखे हुए यह बदलाव का प्रयास किया है कि विधि विज्ञान सेवनीय ही है। हाईकोर्ट ने कहा, दूसरे राज्यों से तुलना कर राज्य सरकार की ओर से अपनी कमियों को छिपाने का प्रयास निदर्शनीय और दुर्बुल व्यापूर है। राज्य सरकार के जिम्मेदारी अधिकारी यदि इस प्रकार अनुचित तुलना करने के बजाए व्यवस्था सुधार पर ध्यान देंगे तो ज्यादा बेहतर होगा। इसके साथ ही अदालत ने

हाई कोर्ट ने एफ.एस.एल. में लम्बित जाँच रिपोर्ट के मुद्दे पर राज्य सरकार को फटकार लगाई।

मुख्य सचिव को शपथ पत्र पेश कर बताने के कहा है कि एफ.एस.एस.एल. को संसाधन उपलब्ध कराने के राज्य सरकार की ओर से किए गए बजाए अवर्वदन को तेलर करा किया गया है और मुख्य सचिव अधिकारी ने बाहर रहने की ओर से एक प्रकार में न्यायिक अधिकारी में चल रहे एरोपी को साकेतिक तौर पर मुआवजा देने के लिए सहमत है या नहीं। जरिस उमांशक्ति व्यापार की एकलपीठी ने यह अदाश अर्जुन नरवाला की जमानत याचिका पर नुसवाई करते हुए दिया ए.डी.एस. और डी.जी.पी. अदालत में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान ने इजराइल पर हमला किया

सूत्रों के अनुसार ईरान ने देर रात दस बजे इजराइल पर 180 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल दागीं

- हमले के बाद ईरान ने कहा कि यह नसरलाह की शहादत का बदला है, यह तो अभी शुरूआत है।
- इधर इजराइल ने कई मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने का दावा किया और अपने लोगों को बम शैल्ट्स में जाने की हिदायत दी है।
- इजराइल पर ईरान के हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने नैशनल सेक्युरिटी टीम के साथ बैठक की।

में इजरायल में भारी त्रुक्सान हुआ है। जानकारी के मुताबिक, ईरानी प्रैक्टिकाइल के निशाने पर 10 मिनिट्स नायाकिक हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बैलिस्टिक मिसाइलों में जारी होने के बाद ईरायल 100 मिनिट्स में एक बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल पर रोकट प्राइटर रहे हैं। परे इजरायल में साधारण बजे हो गए हैं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

बाइडन ने इमरांसी बैठक की। बाइड बैठक के एक अधिकारी ने कहा, इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल पर रोकट प्राइटर रहे हैं। परे इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

अमेरिकी के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि ईरान को, इजरायल पर सीधे हमले के गंभीर परिवर्तन भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने इजरायल के निशाने पर एक अधिकारी ने कहा, इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल के बाद ईरान के अधिकारी ने इजरायल के बाद ईरान के अधिकारी ने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान के बाद ईरायल 100 मिनिट्स में एक बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

अमेरिकी के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि ईरान को, इजरायल पर सीधे हमले के गंभीर परिवर्तन भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने इजरायल पर एक अधिकारी ने कहा, इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल के बाद ईरान के अधिकारी ने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान के बाद ईरायल 100 मिनिट्स में एक बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

जानकारी के मुताबिक, ईरानी प्रैक्टिकाइल के निशाने पर 10 मिनिट्स नायाकिक हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बैलिस्टिक मिसाइलों में जारी होने के बाद ईरायल 100 मिनिट्स में एक बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल पर रोकट प्राइटर रहे हैं। परे इजरायल में साधारण बजे हो गए हैं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

अमेरिकी के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि ईरान को, इजरायल पर सीधे हमले के गंभीर परिवर्तन भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल के बाद ईरान के अधिकारी ने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान के बाद ईरायल 100 मिनिट्स में एक बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

अमेरिकी के रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि ईरान को, इजरायल पर सीधे हमले के गंभीर परिवर्तन भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल के बाद ईरान के अधिकारी ने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान के बाद ईरायल 100 मिनिट्स में एक बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

अपने नेतृत्व के द्वारा एक अधिकारी ने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल के बाद ईरान के अधिकारी ने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लगातार 1 बैरोड लागि निशाने पर थे। ईरान के बाद ईरायल 100 मिनिट्स में एक बैलिस्टिक मिसाइलों दागीं। इजरायल की ओर जाते समय जॉर्डन के हवाई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया है।

अपने नेतृत्व के द्वारा एक अधिकारी ने कहा, मैंने इजरायल के हमले में लग

#FESTIVITIES

The Vibrant Colours Of Navratri

Did you know there is a beautiful connection between the dazzling colours and Navratri? Each night of Navratri has come to be associated with a particular colour because of what the colour symbolises.



Indian festivities are known globally to be a colourful and vibrant celebration of life. One such festival that we all look forward to is the nine nights of worshipping the divine force of Devi, popularly known as 'Navratri' ('nav' meaning nine or new; 'ratri' meaning nights). The festival is defined by celebrations including spiritual penance or fasting, keeping silence on



The Nine Colours of Navratri 2024

Every year, while the set of colours remains the same, the order varies depending on which day Navratri falls. Here is a list of the days of Navratri, along with the associated colour, this year, in a snapshot.

- First Day (3rd October), Pratipada, White
- Second Day (4th October), Dwitiya, Red
- Third Day (5th October), Tritiya, Rose Blue
- Fourth Day (6th October), Chaturthi, Yellow
- Fifth Day (7th October), Navami, Pink
- Sixth Day (8th October), Shashthi, Grey
- Seventh Day (9th October), Saptami, Orange
- Eighth Day (10th October), Ashtami, Peacock Green
- Ninth Day (11th October), Navami, Pink

Significance of the Colours

Each of the nine colours of Navratri symbolizes a distinct quality of the Devi.

- **White:** White symbolizes peace, purity, and prayer in devotees' hearts when they worship the Devi energy.
- **Red:** Red symbolizes action and vigour. It symbolizes the fierce form of the Goddess.
- **Royal Blue:** Royal blue symbolizes tranquillity and the depth of the dark blue sky. It is a representation of the depth of wisdom that the Devi holds.
- **Yellow:** Yellow is the colour of brightness, happiness, and cheer, traits of the Devi.
- **Green:** Green is a symbol of growth and fertility required to sustain in
- every field.
- **Grey:** Grey represents balance.
- **Orange:** Orange symbolizes radiance and energy.
- **Peacock Green:** Peacock green represents uniqueness and individuality.
- **Pink:** Pink symbolizes love, affection, and harmony.

This year, as the celebrations draw closer, make it fun at work by showing up in colorful co-ordinated dresses and accessories to make the most of the festive and honour the divine. You can also flaunt these vibrant colours during Garba and Dandiya raas nights!



To be honest, not only Darjeeling, all the so-called Hill Stations of India have been left in the lurch. Mussoorie is no longer the quaint little town it was, nor is Shimla. They have been invaded by the hordes, people from the surroundings, people from the plains have come as tourists and sometimes as settlers. They have brought with them their crass preferences as well as large scale migration from neighbouring areas, as in the case of Darjeeling.



The Queen is a Dowager...



Anjan Roy
A renowned veteran journalist, having worked with Business Standard and the Telegraph.

Darjeeling is a traveller's blissful escape and honeymooners' dream destination. This beautiful hill station is alluring and its visitors, through the breathtaking panoramas, in the process, their segregation and social exclusivity were both attractive to the British residents as well as affluent Indians.

To be honest, not only Darjeeling, all the so-called Hill Stations of India have been left in the lurch. Mussoorie is no longer the quaint little town that was, nor is Shimla. They have been invaded by the hordes, people from the surroundings, people from the plains have come as tourists and sometimes as settlers. They have brought with them their crass preferences as well as large scale migration from neighbouring areas, as in the case of Darjeeling.

With the process of development, there are today many more Indians, who can afford a quaint vacation. Some of them are so prosperous that they can afford buying up vacation homes in the hills, unlike previously, when only the crème-de-la-crème could indulge in these. The many people, who now can afford, visit these places and they have come with their habits.

In the face of the invasion of the ordinary, many of the earlier high brow have chosen other places, including those in West Europe. Dowager Queen, Darjeeling, has been forsaken by a trip to Darjeeling and Jinnah had come to Darjeeling for his honey-

process of colonizing what were, after all, remote tropical mountain villages and establishing and sustaining a urban centre which, on the one hand, for the Europeans looked similar to the Alps and on the other hand, the urbanized, lively, lucrative hill stations attracted investment, labour and visitors. In the process, their segregation and social exclusivity were both attractive to the British residents as well as affluent Indians.

Darjeeling stands as the most visited hill station of India, all around the year. Surrounded by the snow-capped Himalayas and lush green Tea gardens, it is definitely a paradise on earth.

It was once the Queen of the Hill Stations, and has today become a dowager queen. But it remains the queen all the same.

In a way Darjeeling represents a kind of pedestrianisation of Indian towns and cities, symptomatic of the transition that the entire country was undergoing immediately following independence from the colonial masters. It was perhaps inevitable.

Colonial administrators planned the hill stations in the nineteenth century to create an idyllic social space away from the tropical climate and the Indianized cities in the plains.

Therefore, the hill stations represented topographical, climatic, social and architectural ideals, that were radically different from the cities in the plains. But the

process of development, there are today many more Indians, who can afford a quaint vacation. Some of them are so prosperous that they can afford buying up vacation homes in the hills, unlike previously, when only the crème-de-la-crème could indulge in these. The many people, who now can afford, visit these places and they have come with their habits.

In the face of the invasion of the ordinary, many of the earlier high brow have chosen other places, including those in West Europe. Dowager Queen, Darjeeling, has been forsaken by its former elite.

Darjeeling, for example, was

the preferred vacation locale for the Bengali elites in the early years of last century. Chittaranjan Das, one of the most well-known lawyer and freedom fighter, went to the hill station when he had fallen sick. Unfortunately, he could not really recover from his illness in the wonderful and cool hills, and breathed his last there, in Darjeeling.

There were new beginnings as well in Darjeeling.

Remember for example, Mohammad Ali Jinnah, the creator of Pakistan, was one of the most successful lawyers of his time and was a 'sahib' to his boots. Jinnah had met his wife on a trip to Darjeeling and Jinnah had come to Darjeeling for his honey-

moon.

The story goes like this. Sir Dinshaw Petit, famous Bombay based Parsi businessman, was visiting Darjeeling and he had invited Jinnah to join his entourage. Jinnah went to Darjeeling with Sir Dinshaw, who was accompanied by his beautiful daughter.

In course of their breakfast table conversation, Jinnah had asked Sir Dinshaw about his views on mixed inter-religious marriages. Jinnah sought to evoke Sir Dinshaw's views, which in the elevated plateaus of national integration, looked reasonable to Sir Dinshaw.

But subsequently, when Jinnah informed his deci-

sion to marry his daughter, whom he had met during his Darjeeling stay, Sir Dinshaw had grown furious and immediately threw out Jinnah from his party of vacationers. Jinnah, of course, was a flourishing lawyer and could afford alternatives promptly. He married shortly afterwards.

It is exactly that class of elites and their tastes which had created the myth around what was Darjeeling. That class had vanished and their sensibilities had deserted. No wonder that those elitist institutions of former India would fall on evil days.

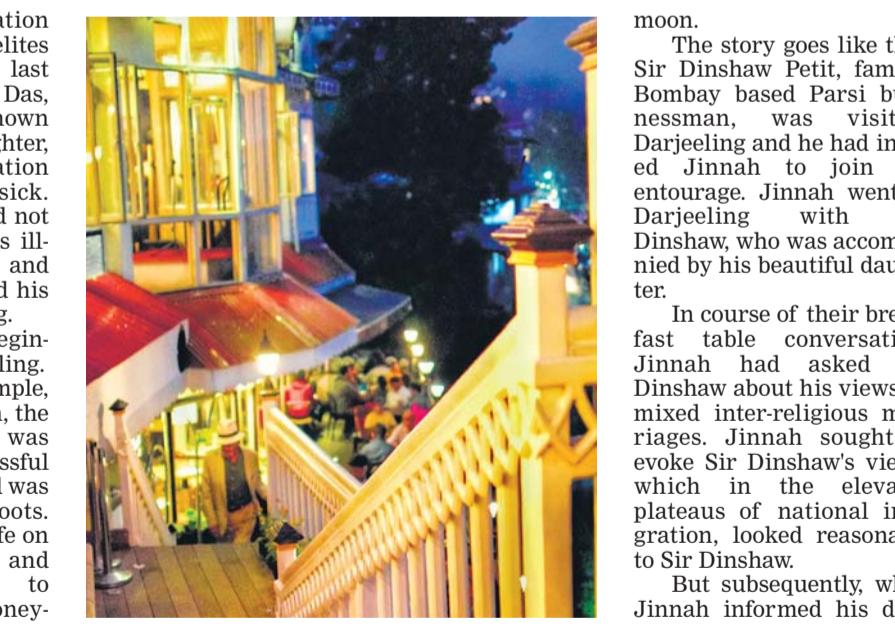
The myth has lingered for a while after Independence. In the mid-1960s, when Satyajit Ray was conceiving his film on the life of a zamindar, Kanchanjangha, he chose Darjeeling as the location. Their Chhobi Biswas, the eternal fallen-from-sawy-days zamindar of Bengal cinema, was cast against the solitary walks around Darjeeling's mall.

Following independence, the masters had changed. The new political class was not the elites of pre-independence era, the new political class has moved from the lower rungs of society and their priorities and preferences were different.

This changed nature was the culmination of the emergence of Gandhi in Indian politics. Before Gandhi, the Indian political class was composed of the elites, the baristers and successful lawyers, the zamindars and the educated cream of society.

After Gandhi and his civil disobedience movement, the ordinary folks had come into the mainstream of Indian politics. They were not always the powerful upper classes,

rajeshsharma1049@gmail.com



MOUNTAIN- VIEW



BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

World Farm Animals Day

Established in memory of Mahatma Gandhi, who believed in treating all living beings with respect, World Farm Animals Day was founded to highlight the poor conditions suffered by some farm animals, and promote awareness in the hope that something may be done to improve the lives of these innocent creatures. The first World Farm Animals Day was celebrated in 1983 as part of an international movement for the rights of farm animals. This day aims to raise awareness for and commemorate the 65 billion land animals, who are raised for food every year.

E



#GANDHI JAYANTI

Gandhi, Truth and Ahimsa

"My religion is based on Truth and Non-Violence. Truth is my God. Non-Violence is the means of realising him."

- Mahatma Gandhi

We have learnt about the Indian National Movement in our school textbooks, and everyone, without any exception, is well familiar with the name *Mahatma Gandhi*. Often revered as the Father of the Nation, sometimes referred to as *Bapu*, Mohandas Karamchand Gandhi was an eminent lawyer, a social activist, a writer, a leader of the Indian National Movement, and a known figure in Indian history.

Born in Porbandar, Mahatma Gandhi went to South Africa to pursue higher studies and work as a legal representative. He stood up against racial discrimination and developed his political views, ethics, and leadership. He arrived in India in 1915, and organised various *Satyagrahas* that emphasised the power of Truth. He launched the Non-Cooperation Movement, the Civil Disobedience Movement and finally, the Quit India movement, after which India gained Independence. To put Gandhi's ideas in a quick read is rather a difficult thing to do. Scholars across the world have spent their lives studying the life of Mahatma and his various ideas. We have attempted to mention a few of his thoughts on Truth and Non-Violence, which are still relevant in 2024.

Gandhi, Truth and Satyagraha

The idea of Truth is the principle on which Mahatma laid the thrust of the methodology, that he referred to as *Satyagraha*, where he emphasized the need to realize Truth. For Gandhi, nothing exists in reality that does not have a truth or destruction. It emphasizes the difference between evil and doers. This is a significant distinction that *Satyagraha* recognises. It understands that the oppressor is not the enemy, but only away from the Truth and can be convinced (not forced) to know the Truth.

Gandhi and Ahimsa

The word 'Ahimsa' is loosely translated to Non-Violence. Ahimsa means lacking any desire to kill. It means to be harmless to oneself, others, and all living beings. But that is only a limited definition of what he meant by Ahimsa or Non-Violence. Gandhi gained an understanding of Hinduism and Jainism in his childhood, and perhaps, that was the significant influence that allowed him to advocate for Ahimsa. His belief in non-violence was demonstrated when he decided to call off the Non-Cooperation Movement at its height, after a peaceful demonstration turned into a violent conflict at Chauri Chaura.

For him, there was no space for violence. He advocated Ahimsa (Non-Violence) in his idea of Satyagraha, a method used for mass mobilization. While the Truth was the foundation of his philosophy, Ahimsa was the guiding law that should be followed by each *Satyagrahi*.

Ahimsa has two different connotations. In the narrow sense, it means not harming the other or oneself by body or mind. In the positive and broader sense, it denotes infinite love and charity.

Gandian Thought and Present Generation

It would be a cliché, but still, it would be fitting to state that Ahimsa and Truth are two sides of the same coin. They are so intertwined that it is not possible to separate them. If Ahimsa is the means, then Truth is the end. It is Ahimsa that forms the base of the search for Truth. The goal of Truth is not to embarrass the wrong-doer, but to bring a change of heart, and the aim of Non-Violence is not limited to non-injury but also infinite love for the other. As Gandhi states, 'With truth combined with Ahimsa, you can bring the world to your feet.'

On this *Gandhi Jayanti*, let us begin understanding Gandhian thought and try to imbibe those thoughts in our everyday lives.



हरियाणा में तीन चौथाई बहुमत से सरकार बनायेगी कांग्रेसः पायलट

सचिन पायलट ने कहा कि जनता ने भाजपा को बता दिया कि घमंड व अहंकार से राज नहीं कर सकते



कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट 30 सितम्बर से हरियाणा के चुनाव प्रचार अभियान पर है। आज उन्होंने कई जनसभाओं को संबोधित किया। वे 2 और 3 अक्टूबर को भी हरियाणा में हो रहे।

जयपुर, 1 अक्टूबर कांग्रेस के भाजपा को आई दिखाते हुए बता दिया कि आप घमंड और अहंकार से राज नहीं कर सकते, तानाशाही वर्तीके बाजार में जारी है। जनता ने कांग्रेस को विजयी बनाने का मान बना लिया है। जो लोग 300 पार, 400 पार का नारा लगाते थे, जनता ने उनकी नकारात्मक सोच और घमंड को जबाब देते हुए लोकसभा चुनावों में उन्हें बहुमत भी पार करने नहीं दिया। देश की जनता ने

200 भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करती है। भाजपा सोनम वांगचुकुक पर जो बल प्रयोग कर रही है, वह उसे गैंगस्टर पर करना चाहिए।

कांग्रेस अव्यक्त मलिककुर्जन खड़े ने मोदी सरकार पर अहंकारी और कानूनतात्रिक होने का आरोप लगाया और कहा, जाना के नशे में चूर्मों से खोया कर रहे लदाखी लोंगों को जिपाफ किया है।

खड़े ने कहा कि वांगचुकुक की यांगों को जनता का समर्थन है। मोदी सरकार अपने कर्मी उद्योगपतीयों को खातिर लदाख के हिमालय पर लोशियर्स, जो पर्यावरण की दृष्टि से संबद्धनशील है, का दोहरा कहा है।

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने इस घटना का संबंध महात्मा गांधी के विचारों से जोड़ा। उन्होंने कहा, गांधी जयंती के दिन भारत सरकार एक बार पिंग गांधी के विचारों को हत्या कर रही है। वांगचुक जी की गिरफतारी से स्पष्ट होता है कि सरकार हर उस व्यक्ति से डरती है, जो अपने अधिकारों के लिए बोलता है।

उन्होंने भाजपा पर लदाख की जनता का मूँह बंद कर यह क्षेत्र अपने कॉर्पोरेट मित्रों को देने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसी कानूनतात्री हकरण गांधी के रास्ते पर चलने वालों को नहीं रोक सकती है।

यह पहली बार नहीं है, जब वांगचुक ने लदाख की तरफ लोगों का ध्यान खींचने की कोशिश की है।

मार्च में उन्होंने लदाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और उद्योगों द्वारा लदाख के संबद्धशील होड़ स्केप के दोहरा के लिए बोला था।

'हमारी अनुमति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस अदालत की अनुमति के बिना कोई

भी सम्मति ध्वनि की जायेगी तथा

इनमें अपराध के आरोपियों की

सम्पत्तियां भी शामिल हैं।

पूर्ववर्ती घर्षणों की

सम्पत्तियां भी